Jeev-jantuon Par Adharit Pauranik Kathayen - 2
जीव–जन्तुओं पर आधारति पौराणकि कथाएं (भाग-2)

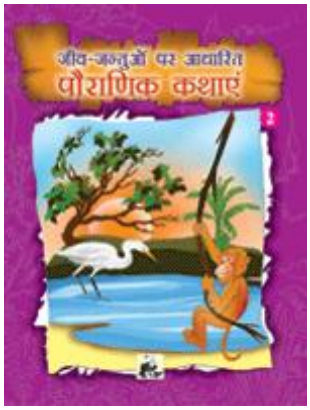

Author: Santhini Govindan सान्थनि गोवनि्दन
Format: Paperback
ISBN: 8178061899
Code: 9387B
Pages: 70
Price: Rs. 125.00 **US$** 5.00

Publisher: Unicorn Books
Usually ships within **15** days

भारतीयों की प्राचीनकाल से ही यह मान्यता रही है कि पशु–पक्षी उनके जीवन का अभनि्न अंग हैं. अपने इसी प्रेम की अभवि्यक्ति वे उनके संरक्षण और देख–रेख में करते हैं. हनि्दुओं के देवी–देवताओं का वाहन या तो कोई पशु है या फरि कोई पक्षी. ये वाहन समय आने पर उन्हें उनके लोकों से अन्य लोकों का भ्रमण ही नहीं कराते, अपतिु अपने दवि्य गुण–संपन्न स्वामयिों के जीवन के अन्य संदर्भों में भी इनकी महत्वपूर्ण भूमकिा है. ये युद्ध भूमि में जहां शत्रुओं का संहार करते हैं, वहीं अपने स्वामयिों के भक्तों की श्रद्धा–भक्ति की परीक्षा भी लेते हैं. प्रस्तुत कथासंग्रह में नम्निलखिति कहानयिां हैं:

- जटायु और सम्पाति
- राजा शवि का संकल्प
- गरुड़ की कहानी
- सुरपद्म कैसे बना मयूर
- हनुमान और मकरवज
- धेनुकासुर का वध
- श्री वष्णिु द्वारा गजेन्द्र की रक्षा
- सुग्रीव–बालि का युद्ध

इन कहानयिों में ज्ञान के साथ–साथ रोचकता, मनोरंजन और लोककथाओं व पुराणों की कथाओं का समन्वय है, जो बच्चों का ही नहीं, परविार के प्रत्येक सदस्य का मनोरंजन करेगी.

About Unicorn Books

Unicorn Books publishes an extensive range of books that are both affordable and high-quality.